PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Bhaskar, Faridabad
Saturday 25th January 2014, Page: 4
Width: 6.18 cms, Height: 14.65 cms, a4, Ref: pmin.2014-01-25.56.43

अमेरिका में रेनबैक्सी की सभी दवाओं पर रोक

■ रेनबैक्सी के शेयर में 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई

एजेंसी | वाशिंगटन/नई दिल्ली

अग्रणी दवा कंपनी रेनबैक्सी लैबोरेट्रीज को एक और तगड़ा झटका लगा है। अमेरिका के स्वास्थ्य नियामक ने रेनबैक्सी के चौथे प्लांट में बनी दवाओं का भी अपने यहां आयात करने पर रोक लगा दी है। रेनबैक्सी का यह चौथा प्लांट पंजाब के टौंसा में है। इस कदम से रेनबैक्सी की कोई भी दवा अब अमेरिका निर्यात नहीं हो सकेगा।

अमेरिका रेनबैक्सी के तीन प्लांटों में बनने वाली दवाओं पर पहले ही रोक लगा चुका है। ये प्लांट चंडीगढ़ के मोहाली, हिमाचल के पांवटासाहिब और मध्यप्रदेश के देवास में हैं। अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) ने नया कदम टौंसा प्लांट में दवा उत्पादन के तौर-तरीकों का उल्लंघन किए जाने के कारण उठाया। इतना ही नहीं अमेरिका के न्यूजर्सी में रेनबैक्सी द्वारा स्थापित ओम लैबोरेट्रीज में तैयार की जाने वाली दवाओं का भी अमेरिका में वितरण नहीं हो सकेगा। उस पर भी रोक लगाई गई है। अमेरिकी फैसले के बाद रेनबैक्सी के शेयर में 20 फीसदी की गिरावट रही। शुक्रवार को कंपनी का शेयर 336 रुपए रह गया। मार्केट कैप में 3416 करोड़ रुपए की गिरावट आई। अब कंपनी का मार्केट कैप 14260 करोड़ रुपए हो गया है।

यूएसएफडीए के कैरोल बेनेट ने बताया कि अमेरिकी ग्राहकों तक घटिया उत्पाद कतई नहीं पहुंचे, इसके लिए हम तेजी से अनेक कदम उठा रहे हैं। हालिया फैसला भी इसी के मद्देनजर लिया गया है। उधर रेनबैक्सी के सीईओ अरुण साहनी ने कहा कि जो भी हुआ है वह मंजूर करने लायक नहीं है। आंतरिक जांच पूरी होने के बाद उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी।